राजस्थान सरकार

निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाऐं राजस्थान जयपुर

3.50PM

5789

अनौपचारिक टिप्पणी

विषय – प्रधान महालेखाकार राजस्थान जयपुर द्वारा निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाऐं (जन स्वा.), राजस्थान जयपुर के लेखों की परीक्षा अवधि 04/2018 से 03/2019।

संदर्भ –महालेखाकार, राज0 जयपुर का ज्ञापन संख्या 29 दिनांक 29.07.2019

"जयपुर सहित चार लैब के लिए 20 करोड जारी, सात साल में भी धरातल पर नहीं उतर सके लैब।"

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि संदर्भित ज्ञापन संख्या 29 दिनांक 29.07.2019 महालेखाकार, राजस्थान जयपुर की छाया प्रति संलग्न है। आपकी शाखा से संबंधित सूचनायें अभिलेख सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, जांच दल संख्या 46 को अविलम्ब कमरा नं 15- B (ग्राउण्ड फ्लोर) मे उपलब्ध करावे, अंकेक्षण समयबद्व कार्यक्रम है अतः सूचना दिनांक 31.07.2019 को 12.00 बजे तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें अन्यथा विलम्ब के लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगें।

कृपया इसे उच्च प्राथमिकता प्रदान करावें।

संलग्न–उपरोक्तानुसार

उप वित्तीय सलाहकार
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाऐं
राजस्थान जयपुर

औषधि नियंत्रक
मुख्यालय।

अनौ0 टिप्पणी क्रमांक : लेखा–13/एजी/नि.प्र./2019/2250
दिनांक – 30/07/2019

DC/लेखा/2019/371

मूल ही प्रेषित कर लेख है कि सम्बन्धित सूचना/अभिलेख सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी जाँच दल संख्या (46) को अविलम्ब उपलब्ध करावें। तथा अधोहस्ताक्षर कर्ता को भी अवगत करावें।

Raja Ram Sharma
Drugs Controller

C:\Users\Administrator\Desktop\hq folder\Nisha Gurjar\AG AUDIT PARTY July 2019\U note memo Audit Party.docx

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (सामान्य एवं सामाजिक क्षेत्र लेखापरीक्षा) राज.,जयपुर।

क्रमाकः–जी.एस.एस.–।।/दल सं 46/ज्ञापन सं. 29 दिनांक 1.2.19

विषयः– जयपुर सहित चार लैब के लिए 20 करोड़ जारी, सात साल में भी धरातल पर नहीं उतर सके लैब।

राज्य सरकार द्वारा नकली दवाओं को रोकने व नमूनों की पेंडेसी कम करने के लिए सात साल पहले जोधपुर, उदयपुर एवं बीकानेर में ड्रग टेस्टिंग लैब खोलने की घोषणा की गई थी । जयपुर सहित चारों ड्रग टेस्टिंग लैब बनाने हेतु 20 करोड रूपये तक का बजट जारी किया जा चुका हैं । बीकानेर में वर्ष 2014 व जोधपुर एवं उदयपुर में वर्ष 2017 में लैब हेतु भवनों का निमार्ण पूर्ण हो चुका हैं, मेन पावर एवं उपकरणों की कमी के कारण दवाओं की जांच करने वाली तीनो लैब शुरू नहीं हो सकी । जिसके कारण सेठी कॉलोनी स्थित एकमात्र सरकारी ड्रग टेस्टिंग लैब पर वर्तमान में 5000 दवाओं के नमूनों की जांच पेंडिंग चल रही हैं । अधिक पेंडिंसी के चलते औषधि नियन्त्रण विभाग द्वारा जिस दवा के सैंपल लिया है, जब तक उसकी जांच रिर्पोट आएगी, तब तक वह दवा हजारों मरीजों में बंट जुकी होती हैं या अवधिपार हो चुकी होती है। जिसके कारण आमजन की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा हैं ।

अतः उक्त तीनों जिलों में ड्रग टेस्टिंग लैब के तैयार भवनों में मेन पावर एवं उपकरणों की कमी के कारण दवाओं की जांच करने वाली तीनो लैब शुरू नहीं करने के कारणों ~~सहित टिप्पणी~~ से लेखापरीक्षा को अवगत करावें ।

लेखापरीक्षा अधिकारी
(निरीक्षण)/दल सख्या 46

श्रीमान निदेशक,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं
राजस्थान, जयपुर